Dr. Shyam Shankar
Associate Professor
Deptt. of Political Science
Raja Singh College, Siwan
Mob. 8709375511 Email id - shyamshankarp2407@gmail.com

PDF FOR BA HONS Part - I

भारत मे प्रजातंत्र की सफलता के लिए आवश्यक शर्तें

आज का युग प्रजातंत्र का युग है और वर्तमान मे प्रचलित सभी शासन व्यवस्थाओ मे प्रजातंत्र सबसे अधिक लोकप्रिय और महत्वपूर्ण शासन व्यवस्था बन चुकी है। प्रारंभ मे लोगो का यह विश्वास था कि प्रजातंत्र से मानवता का कल्याण होगा। लेकिन प्रथम विश्वयुद्ध के बाद मे लोकतंत्र मे काफी गिरावट आई। कई देशो मे सैनिक तानाशाही कायम हो गई। प्रजातंत्र के मार्ग मे व्यक्तिगत स्वार्थ, अशिक्षा, बौद्धिक क्षमता का अभाव, अमीरो की प्रभुता, साम्राज्यवाद, पूंजीवाद आदि बाधाये खड़ी करती है। प्रजातंत्र की सफलता के लिए निम्न शर्ते जरूरी है।

1. प्रजातंत्र मे आस्था – प्रजातंत्र की सफलता के लिए सबसे आवश्यक शर्त यह है कि जनता मे प्रजातांत्रिक भावना हो तथा जनता प्रजातांत्रिक मान्यताओ मे अपनी आस्था रखे।

2. जनता का शिक्षित होना – अशिक्षित जनता मे राज्य के कार्य के प्रति सजगता और उत्तरदायित्व की भावना कम होती है। जबकि शिक्षित जनता सजग और उत्तरदायी होती है। इसलिए जनता का शिक्षित होना प्रजातंत्र की सफलता का मुख्य आधार है।

3. नागरिक भाव का अस्तित्व – नागरिकता का भाव यह बताता है कि हमे प्रजातंत्र की ~~लिए~~ सफलता के लिए इसको के प्रति रखकर अपने पड़ोसियो और देशवासियो के प्रति कैसा व्यवहार रखना चाहिए।

4. जनता की सतर्कता – एक कहावत है कि सतत जागरूकता ही स्वतंत्रता का मूल्य है। इसलिए प्रजातंत्र की सफलता के लिए सक्रिय, जागरूक सचेत और विवेकशील नागरिको का होना ~~चाहिए~~ जरूरी है।

5. प्रजातंत्र की ~~[illegible]~~ परम्पराएँ – प्रजातंत्र का संचालन

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

भी बढ़ता है। जिन देशों में प्रजातांत्रिक परम्परायें नहीं होती वहाँ प्रजातंत्र की गति धीमी होती है।

6. राजनीतिक दल — प्रजातंत्र की सफलता के सुसंगठित दलों का होना जरूरी है। राजनीतिक दल जनमत का निर्माण करते हैं और सरकार के निर्माण में योगदान देते हैं।

7. जागरूक प्रेस — जनमत का निर्माण करने में समाचार पत्रों एवं अन्य साधनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए प्रेस का स्वतंत्र होना प्रजातंत्र के लिए जरूरी है।

8. सहयोग की भावना — देश के कार्य में सबको अपना सहयोग देना जरूरी है। तभी प्रजातंत्र सफल होगा।

9. एकता की भावना — प्रजातंत्र की सफलता के लिए सहिष्णुता तथा एकता का होना जरूरी है। विचार-विमर्श, वाद-विवाद, आलोचना आदि प्रजातंत्र के अच्छा है। दूसरों के विचारों के प्रति सहिष्णुता की भावना होनी चाहिए तथा सबकी बात सुनी जानी चाहिए।

10. नैतिक स्तर — नैतिक स्तर ऊँचा रहने से भ्रष्टाचार पर रोक लगती है।

11. स्थानीय स्वशासन — नागरिकों को प्रजातंत्र का प्रारंभिक पाठ या जानकारी स्थानीय स्वशासन से मिल जाती है।

12. शांति और व्यवस्था — आंतरिक अशांति और विदेशी युद्ध के समय प्रजातंत्र की सफलता संदिग्ध हो जाती है।

13. लिखित संविधान — लिखित संविधान से देश का वातावरण प्रजातंत्र के अनुकूल बन जाता है।

14. आर्थिक समानता — प्रजातंत्र के लिए आर्थिक समानता जरूरी है। कोल का कहना है- आर्थिक समानता के अभाव में राजनीतिक स्वतंत्रता का कोई मूल्य नहीं है। धन के अभाव में गरीब वर्ग शासन कार्य में रुची नहीं ले पाते हैं।

15. कानून का शासन — प्रजातंत्र केवल इसी स्थिति में जीवित रह सकता है कि इसका शासन व्यक्ति विशेष की इच्छा से नहीं बल्कि कानून के अनुसार हो

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner